

17/3/24

07 RII या पत्र पर दोनो पक्षों की बहस
सुनी गई। अदालत द्वारा यह पत्र ~~स्वीकार~~
स्वीकार कर वाद खारिज किया जाता है।

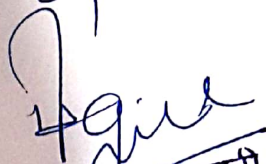
अदालत को मानना है कि युविकादी
द्वारा पेश की गई आपत्ति जायज है। वादी
द्वारा विवादित आराजी - 16. B.L.D. के मु.न
74/16 के विधान 1 से 23- पर अपीलकृत
इकरनामों के आधार पर एक जवाब
जा रघ है। इस दरखावेत को Execute
करवाने का अधिकार (सेबल न्यायालय



में लिखित है, इस अदालत में नहीं।

इसलिए पहिलेवादी मंवर और रेलकी को
या.पत्र. 07R11 CPC स्वीकार कर पद
दावा, जो गोलकराम द्वारा पेश किया गया था,
स्वास्तित किया जाता है।

इस वाद से संबंधित या.पत्र अंतर्गत धर
अर R.T.A (14/18) में जारी स्थगन आदेश
को भी स्वास्तित किया जाता है।


उपस्थंड अधिकारी
खाजूवाला (जिला-बीकानेर)